

तेरा किसने किया रे श्रृंगार सांवरे ...

तेरा किसने, किया रे श्रृंगार सांवरे ।
तू लगे रे दुलहा (बनड़ा) सा दिलदार सांवरे ॥

मस्तक पर मलियागिरि चंदन, केसर तिलक लगाया,
मोर मुकुट कानन में कुण्डल, इत्र बहुत बरसाया,
यूं महकता रहे ये दरबार सांवरे ॥1॥ तेरा किसने

कजरा ऐसा डारा नयन में और भए मतवारे,
बन जाये आशिक वो तेरा जिसकी ओर निहारे,
तेरी बांकी अदा पे बलिहार सांवरे ॥2॥ तेरा किसने

बागों से कलियां चुन-चुन के सुन्दर हार बनाया,
रहें सलामत हाथ सदा वो जिसने तुम्हें सजाया,
यूं सजाता रहे वो बार-बार सांवरे ॥3॥ तेरा किसने

बोल कन्हैया बोल तुझे मैं कौनसा गीत सुनाऊं,
ऐसा कोई राग बतादे तू नाचे मैं गाऊं,
यूं नचाता रहूं मैं बार-बार सांवरे ॥4॥ तेरा किसने

